



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असामान्य

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 116]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 10, 2003/फाल्गुन 19, 1924

No. 116]

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 10, 2003/PHALGUNA 19, 1924

महानिदेशक का कार्यालय (रक्षोपाय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 मार्च, 2003

रक्षोपाय जांच प्रारम्भ करने की सूचना

[ सीमा शुल्क टैरिफ ( सुरक्षा शुल्क की पहचान और निर्धारण ) नियमावली, 1997 के नियम 6 के अधीन ]

विषय : भारत में बिसफिनोल ए ( बी.पी.ए. ) के आयात से संबंधित रक्षोपाय जांच शुरू करना।

सा.का.नि. 208( अ ).—सीमा शुल्क टैरिफ ( सुरक्षा शुल्क की पहचान एवं निर्धारण ) नियमावली, 1997 के नियम 5 के अधीन केशर पेट्रो प्रोडक्ट्स लिमिटेड ( के.पी.एल. ), मुम्बई ने भारत में बिसफिनोल ए के बर्धित आयात से घरेलू उत्पादकों को होने वाली गंभीर क्षति से बचाने के लिये भारत में बी.पी.ए. के आयात पर रक्षोपाय शुल्क के अधिरोपण के लिए मेरे समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत किया है।

## 2. घरेलू उद्योग

बी.पी.ए. के आयात पर रक्षोपाय शुल्क के अधिरोपण के लिये बी.पी.ए. के घरेलू उत्पादकों की ओर से के.पी.एल. द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है। के.पी.एल. बी.पी.ए. का अकेला उत्पादक है जो कि कुल घरेलू उत्पादन के लिए उत्तरदायी है।

## 3. सम्बद्ध उत्पाद

आवेदकों ने भारत में बी.पी.ए. के बर्धित आयात से घरेलू उत्पादकों के गम्भीर क्षति का आरोप लगाया है। सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के प्रथम अनुसूची के उपशीर्ष संख्या 2907.23 एवं भारतीय व्यापार वर्गीकरण (आई.टी.सी.) की संख्या 2907.2300 के अधीन वर्गीकृत बी.पी.ए. एक मूल आर्गेनिक कैमिकल है जिसका कैमिकल फार्मूला सी 15 एच. 16 ओ 2 है। आवेदक बी.पी.ए. का उत्पादन फिनोल और एससीटोन के बीच कैमिकल प्रक्रिया द्वारा करते हैं। बी.पी.ए. का उपयोग ईपाक्सी रेजिन और पोलिकार्बोनेट के निर्माण हेतु होता है।

## 4. बर्धित आयात

भारत में बी.पी.ए. का आयात मुख्यतः बेल्जियम, चाईना पी.आर., फ्रांस, जर्मनी, जापान, कोरिया (आर.पी.); दी नेदरलैंड, सिंगापुर, स्पेन, स्लोवेनिया, यू.के. और यू.एस.ए. से होता है। आयात में घरेलू उत्पाद की तुलना में और वास्तविक रूप में वृद्धि की प्रवृत्ति दर्ज की गई। बी.पी.ए. का घरेलू उत्पादन एवं आयात वर्ष 1997-98 से वर्ष 2002-03 (दिसम्बर तक) निम्नानुसार रहा।

वर्ष	घरेलू उत्पादन (मी०टन)	आयात (मी०टन)	घरेलू उत्पादन की अपेक्षा भारत का प्रतिशत
1997-98	4192	898	21.42
1998-99	5242	1376	26.25
1999-00	6147	2253	36.65
2000-01	5313	2056	38.70
2001-02	6124	4339	70.85
2002-03 (दिसम्बर)	3834	5982*	156.02

\* अप्रैल से सितम्बर तक आयात 3988.352 मी.टन है और समानुपात के आधार पर दिसम्बर तक आयात 5982 मी.टन बनता है।

## 5. क्षति

बी. पी. ए. के वर्धित आयात से बी.पी.ए. के घरेलू उत्पादकों को गम्भीर क्षति हुई है। होने की आशंका है जैसा कि निम्नलिखित तथ्यों द्वारा दर्शाया गया है

(क) बी. पी. ए. की अंतर्राष्ट्रीय कीमतें लगातार गिर रही हैं। पिछले पांच वर्षों में बी.पी.ए. की सी आई एफ कीमतें लगभग 23 प्रतिशत तक गिर गई हैं। अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में इस गिरावट के साथ चलने और अपना मार्केट शेयर बरकरार रखने के लिए घरेलू उत्पादकों को अपने बी. पी. ए. के मूल्य कम करने पड़े एवं परिणामस्वरूप उनकी कुल मूल्य प्राप्ति सारभूत रूप में गिर गई और घरेलू उत्पादकों को हानि हुई।

(ख) घरेलू उत्पादकों की क्षमता उपयोगिता जो कि 1997-98 में 83.85 प्रतिशत थी वह 2001-03 में दिसम्बर तक 52 प्रतिशत तक घट गई।

(ग) बी. पी. ए. के घरेलू उत्पादकों का अंतःशेष भंडारण जो कि वर्ष 1999-2000 में 315.375 मी० टन रह गया था वह मार्च 2002 के अन्त तक बढ़ कर 418.575 मी० टन हो गया।

- (घ) बी.पी.ए. के कुल घरेलू खपत में बी.पी.ए. के घरेलू उत्पादकों का मार्केट शेयर जो कि 1997-98 में लगभग 70% था वह 2001-02 में गिर कर 50% रह गया और इससे भी नीचे गिर कर 34% रह गया जैसा कि नीचे सारिणी में दिखाया गया है। घरेलू उत्पादक बाजार में उनके इस गिरते हुए शेयर को अपने मूल्य कम किए जाने के कारण ही संभाल सके। बी.पी.ए. की कुल बिक्री प्राप्ति 2000-2001 में 66197रु प्रति मी० टन से घट कर 2001-2002 में 62464 रुपये प्रति मी. टन रह गई और दिसम्बर 2002-03 में इससे भी नीचे गिर कर 51303 रु० प्रति मी० टन हो गई।

वर्ष	घरेलू बिक्री (मी०टन) (कैप्टिव खपत शामिल)	कुल घरेलू खपत आयात सहित (मी.टन)	कुल घरेलू उपभोग में घरेलू उत्पादन का अंश
1997-98	2125	3023	70.29
1998-99	3222	4598	70.07
1999-00	3722	5975	62.29
2000-01	4983	7039	70.79
2001-02	4370	8709	50.18
2002-03 (12/02)	3149	9131	34.48

6. घरेलू उत्पादों ने बी. पी. ए. के आयात पर रक्षोपाय शुल्क के अधिरोपण के लिये प्रार्थना की है। उन्होंने तत्काल अन्तिम रक्षोपाय शुल्क के अधिरोपण के लिए भी प्रार्थना की है।

7. आवेदन का परीक्षण किया गया है और प्रथमदृष्टया यह पाया गया है कि बी.पी.ए. के वर्धित आयात से बी.पी.ए. के घरेलू उत्पादकों को गम्भीर क्षति हुई है। की आशंका है और तदनुसार इस नोटिस के माध्यम से जांच शुरू करने का निर्णय लिया गया है।

8. सभी इच्छुक पक्ष अपने दृष्टिकोणों से अधोहस्ताक्षरी को 21 अप्रैल 2003 तक अवगत करा दें।

महानिदेशक (रक्षोपाय)

139 सी.आर. बिल्डिंग

आई.पी.इस्टेट

नई दिल्ली - 110002, भारत

9. सभी ज्ञात इच्छुक पक्षों को अलग से भी सूचित किया जा रहा है।

10. जांच के लिये कोई अन्य पक्ष जो कि इच्छुक पक्ष के रूप में समझे जाने का इच्छुक हो, अपना अभ्यावेदन इस नोटिस तिथि के 21 दिन के अन्दर महानिदेशक (रक्षोपाय) को प्रेषित कर दें।

[फा. सं. एसजी/आईएनबी/1/2003]

बी. के. मिश्रा, महानिदेशक

**OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL (SAFEGUARDS)**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 6th March, 2003

**Notice of Initiation of a Safeguard Investigation**

[Under Rule 6 of the Customs Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997]

**Subject: Initiation of Safeguard Investigation concerning imports of Bisphenol A (BPA) into India**

G.S.R. 208(E).—An application has been filed before me under Rule 5 of the Customs Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997 by Kesar Petroproducts Limited, Mumbai (KPL) for imposition of Safeguard duty on imports of Bisphenol A (BPA) into India to protect domestic producers of BPA against serious injury caused by the increased imports of BPA into India.

**2. Domestic Industry**

The application has been filed by KPL on behalf of the domestic producers of BPA for imposition of safeguard duty on imports of BPA. KPL is the only producer of BPA accounting for the total domestic production.

**3. Product Involved**

The applicants have alleged serious injury caused to the domestic producers by the increased imports of BPA into India. BPA is classified under sub-heading No.2907.23 of the First Schedule to the Customs Tariff Act 1975 and under 2907.2300 of the Indian Trade Classification (ITC), and is a basic organic chemical with chemical formula  $C_{15}H_{16}O_2$ . The applicants produce BPA by reacting Phenol and Acetone. BPA is used in the manufacture of Epoxy Resins and Polycarbonates.

**4. Increased Imports**

BPA is imported into India mainly from Belgium, China PR, France, Germany, Japan, Korea (RP), the Netherlands, Singapore, Spain, Slovenia, U.K. and USA. The imports have shown an increase in absolute terms as well as compared to domestic production. The imports and domestic production of BPA during 1997-98 to 2002-03 (upto December) have been as under:

( In MTs )

Year	Domestic Production	Imports	Imports as a %age of Domestic Production
1997-98	4192	898	21.42
1998-99	5242	1376	26.25
1999-00	6147	2253	36.65
2000-01	5313	2056	38.70
2001-02	6124	4339	70.85
2002-03 (December)	3834	5982*	156.02

\*The imports during April-September is 3988.352MTs and on prorata basis the imports work out to 5982MTs.

### 5. Injury

The increased imports of BPA have caused /threatened to cause serious injury to the domestic producers of BPA as indicated by the following factors:

- International prices of BPA have been steadily falling. The CIF price of BPA over the last five years have fallen almost by 23%. To keep up with this fall in the international prices and to retain their market share, the domestic producer had to reduce their prices of BPA, as a sequel their net price realisations have declined considerably and resulted in loss to the domestic producer.
- The capacity utilisation of domestic producer which was 83.85% in 1997-98 and improved to 102.45 in 1999-2000 declined to 61.24% in 2001-02 and further declined to about 52% during the period 2002-03( Upto December)
- The closing stocks of domestic producer of BPA which decreased from 315.375 MT in 1999-2000 to 72.625 MT in 2000-2001 increased to 418.575 MT at the end of March 2002.
- The market share of domestic producer of BPA in the total domestic consumption of BPA which was about 70% in 1997-98 declined to 50% in 2001-02 and further declined to about 34% as indicated in the table below. The domestic producers have been able to retain this reduced market share only at the cost of reduction of their sales price. The net sales realisation per MT of BPA dropped from Rs66191/- in 2000-01 to Rs62646/- in 2001-02 and further declined to Rs51303/- in 2002-03(December).

Year	Domestic sales (including captive consumption)	Total Domestic consumption including imports	Share of domestic sales to domestic consumption (2/3x100%)
(1)	(2)	(3)	(4)
1997-98	2125	3023	70.29
1998-99	3222	4598	70.07
1999-2K	3722	5975	62.29
2000-01	4983	7039	70.79
2001-02	4370	8709	50.18
2002-03 Upto December	3149	9131	34.48

6. The domestic producers have requested for imposition of safeguard duty on imports of BPA. They have also requested for an immediate imposition of provisional safeguard duty.

7. The application has been examined and it appears that prima facie increased imports of BPA have caused/threatened to cause serious injury to the domestic producers of BPA and accordingly it has been decided to initiate an investigation through this notice.

8. All interested parties may make their views known by 21st April 2003 to:

The Director General (Safeguards)  
139, C.R. Buildings  
I.P.Estate,  
New Delhi-110002.  
India.

9. All known interested parties are also being addressed separately.

10. Any other party to the investigation who wishes to be considered as an interested party may submit its representation so as to reach the Director General (Safeguards) within 21 days from the date of this notice.

[F. No. SG/INV/1/2003]

B. K. MISHRA, Director General